शिमला : संजौली महाविद्यालय में आयोजित कार्यशाला के दौरान संयुक्त चित्र में छात्र–छात्राएं। (नरेश)

Shimla Kesari page-II

आयोजन ‘भूकंपरोधी मकान, सुरक्षित शिमला’ पर कार्यक्रम आयोजित

संजौली कॉलेज ने याद की कांगड़ा भूकंप त्रासदी

हिमाचल दस्तक ब्यूरो। शिमला

संजौली कॉलेज में छात्र-छात्राओं को भकंपरोधी मकानों के बारे जागरूक करने के लिए मंगलवार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ‘भूकंपरोधी मकान, सुरक्षित शिमला’ विषय पर आधारित इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। 4 अप्रैल, 1905 को कांगड़ा में आए भयानक भूकंप में मारे गए हजारों लोगों की आत्मिक शांति के लिए समर्पित इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के लगभग 300 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सीबी मेहता ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। अपने संबोधन में डॉ. मेहता ने शिमला में बढ़ते बेतरतीब और असुरक्षित मकानों के निर्माण पर चिंता व्यक्त क हुए कहा कि जब अस्सी के दशक में वे स्वयं संजौली कॉलेज में छात्र थे तो आसपास केवल गिनती के ही मकान थे, लेकिन अंग्रेजों द्वारा केवल 20-30 हजार लोगों के लिए बसाया गया शिमला शहर, जो भूकंप की दृष्टि से भी अत्यंत संवेदनशील है, आज लाखों की आबादी का बोझ ढो रहा है। उन्होंने आनेवाली पीढ़ी से उम्मीद जताई कि वे स्वयं भी जागरूक होंगे और आसपास के लोगों को भी सुरक्षित मकान बनाने के लिए प्रेरित करेंगे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के जियोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. शुभम चौधरी ने कांगड़ा भूकंप की त्रासदी और पिछले लगभग हजार वर्षों में विश्वभर में आए भूकंपों पर हुए विभिन्न अनुसंधानों पर एक विस्तृत पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन भी प्रस्तुत की। प्रो. चौधरी ने जहां एक ओर हिमाचल के सभी भूकंप संवेदनशील क्षेत्रों की जानकारी दी, वहीं सुरक्षित भूकंपरोधी मकानों के निर्माण की विभिन्न वैज्ञानिक पद्धतियां भी विद्यार्थियों के साथ साझा की। कार्यक्रम में प्रो. रामलाल शर्मा, प्रो. विशाल रांगटा, प्रो. मनोज मेहता, प्रो. बृजमोहन प्रजापति, प्रो. सीमा बंटा, प्रो. रविंदर चौधरी, प्रो. संदेश काल्टा, प्रो. प्रियंका शामिल हुए। बहरहाल संजौली कॉलेज में छात्र-छात्राओं को भकंपरोधी मकानों के बारे जागरूक करने के लिए मंगलवार कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

◆ 300 से अधिक छात्र–छात्राओं ने लिया भाग

Himachal Dastak Page05

शिमला: राजकीय महाविद्यालय संजौली में मंगलवार को भूकंप के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 4 अप्रैल 1905 को कांगड़ा में आए भयानक भूकंप में मारे गए हजारों लोगों की आत्मिक शांति के लिए समर्पित इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के लगभग 300 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डा. सीबी मेहता ने मुख़्यातिथि के रूप में शिरकत की

Divya Himachal-CityPlus-Shimla PageNo-III

संजौली कॉलेज में भूकंप से सुरक्षा के बारे में दी जानकारी

अमर उजाला ब्यूरो

शिमला। सेंटर आफ एक्सीलेंस संजौली कॉलेज में 4 अप्रैल 1905 को कांगड़ा में आए भूकंप की त्रास्दी और उसमें मारे गए लोगों की घटना की याद में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर त्रास्दी में मारे गए हजारों लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। कार्यक्रम में शामिल कॉलेज के सैकड़ों छात्र-छात्राओं को भूकंप से सुरक्षा और भूकंप रोधी मकानों के निर्माण के डिजाइन और इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री के बारे में बताया गया। कॉलेज प्राचार्य डॉ. सीबी मेहता ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने अपने संबोधन में राजधानी शिमला सहित प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों और नए बन रहे उपनगरों में किए जा रहे बेतरतीब निर्माण पर चिंता जताते हुए कहा कि जो निर्माण हो रहा है, वह भूकंप जैसी आपदा के मद्देनजर सुरक्षित नहीं है। अस्सी के दशक में वह स्वयं संजौली कॉलेज के छात्र थे। उस समय आसपास केवल गिनती के ही मकान थे। अंग्रेजों ने इस शहर को महज 20-0 हजार लोगों के लिए बसाया था। शिमला शहर भूकंप की दृष्टि से भी अत्यंत संवेदनशील है, बावजूद इसके यहां लाखों मकान बन गए हैं। यह भावी पीढ़ि के लिए खतरा है। इसलिए आज युवाओं को स्वयं इस खतरे को भांपते हुए स्वयं और लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। युवा लोगों को भी भूकंप की लिहाज से सुरक्षित मकान बनाने के लिए प्रेरित करें। जियोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. शुभम चौधरी ने कांगड़ा भूकंप की त्रास्दी और पिछले लगभग हजार वर्षों में विश्वभर में आए भूकंपों पर किए गए शोध और अनुसंधान की जानकारी दी। पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से समझाया गया। सुरक्षित भूकंप रोधी मकानों के निर्माण की विभिन्न वैज्ञानिक पद्धतियां भी विद्यार्थियों के बारे में बताया। महाविद्यालय के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ की अध्यक्ष जीपी कपूर ने सभी अतिथियों, विशेषज्ञों और प्रतिभागी विद्यार्थियों का आभार जताया। इस अवसर पर रामलाल शर्मा, विशाल रांगटा, मनोज मेहता, बृजमोहन प्रजापति, सीमा बंटा, रविंद्र चौधरी, संदेश काल्टा, प्रियंका और अन्य शिक्षकों ने भाग लिया।

चायल में फॉरेस्ट रन हॉफ मैराथन 7 अप्रैल को

चायल (सोलन)। विश्व प्रसिद्ध पर्यटक स्थल चायल में होटल एसोसिएशन की ओर से फोरेस्ट रन हॉफ मैराथन रन का आयोजन 7 अप्रैल को होगा। फोरेस्ट रन में 18 से 40 आयु वर्ग के लोगों के लिए 21 किलोमीटर की हॉफ मैराथन, 40 से 60 आयु वर्ग से कम उम्र के लोगों के लिए 10 किलोमीटर फैमिली रन, 12 से 18 आयु वर्ग के लिए पांच किलोमीटर पावर रन, जबकि सीनियर सिटीजन के लिए पांच किलोमीटर की दूरी निर्धारित की गई है। चायल होटल एसोसिएशन के प्रधान देविंद्र वर्मा ने बताया कि विश्व प्रसिद्ध पर्यटन नगरी चायल में पहली बार इस तरह की प्रतियोगिता करवाई जा रही है, जिसमें शामिल होने के लिए प्रवेश शुल्क प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक हजार रुपये कर सहित रखा गया है। ब्यूरो

Amar Ujala page06

शिमला में असुरक्षित मकान और बेतरतीब निर्माण चिंता का विषय

संजौली कॉलेज में हुआ सुरक्षित हिमाचल कार्यक्रम

सुरक्षित हिमाचल कार्यक्रम में कॉलेज के शिक्षक भी मौजूद रहे।

एजुकेशन रिपोर्टर | शिमला

संजौली कॉलेज में हुए भूकंपरोधी मकान, सुरक्षित हिमाचल कार्यक्रम में शिमला में बेरतरतीब और असुरक्षित भवनों के निर्माण पर चिंता जताई गई। वक्ताओं ने कहा कि 4 अप्रैल 1905 को कांगड़ा में आए भयानक भूकंप में मारे गए हजारों लोग मारे गए थे। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सीबी मैहता ने अपने संबोधन में कहा कि शिमला में बढ़ते बेतरतीब और असुरक्षित मकान आने वाले दिनों में मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं। जब 1980 के दशक में वे स्वयं संजौली कॉलेज में छात्र थे तो आसपास सिर्फ गिनती के ही मकान थे, लेकिन अंग्रेजों द्वारा केवल 20-30 हजार लोगों के लिए बसाया गया शिमला शहर,जो भूकंप की दृष्टि से भी अत्यंत संवेदनशील है। आज लाखों की आबादी का बोझ ढो रहा है। उन्होंने आने वाली पीढ़ी से उम्मीद जताई कि वे स्वयं भी जागरूक होंगे और आसपास के लोगों को भी सुरक्षित मकान बनाने के लिए प्रेरित करेंगे।

कार्यक्रम में कॉलेजों के जियोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. शुभम चौधरी ने कांगड़ा भूकंप की त्रासदी और पिछले लगभग हजार वर्षों में विश्वभर में आए भूकंपों पर हुए विभिन्न अनुसंधानों पर एक विस्तृत पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन भी प्रस्तुत की। प्रो.चौधरी ने जहां एक ओर हिमाचल के सभी भूकंप संवेदनशील क्षेत्रों की जानकारी दी, वहीं सुरक्षित भूकंपरोधी मकानों के निर्माण की विभिन्न वैज्ञानिक पद्धतियां भी छात्रों के साथ साझा की।

Shimla Bhaskar PageNo 02